हरियाली व चित्रकारी से संवरेगा नोएडा-ग्रेनो मेट्रो कॉरिडोर

नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की 16वीं बोर्ड बैठक में लिए गए कई फैसले

विज्ञापन बनेंगे एनएमआरसी की आमदनी का जरिया
अधिकारियों ने सफर कर ट्रायल का निरीक्षण किया

अमर उजाला ब्यूरो

नोएडा।

नोएडा से ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो सेवा शुरू होने से पहले ही नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) को आमदनी की चिंता सताने लगी है। शनिवार को आयोजित हुई 16वीं बोर्ड बैठक में आय बढ़ाने के लिए फैसले लिए गए। मसलन, दिल्ली की तर्ज पर मेट्रो स्टेशनों की को-ब्रांडिंग की जाएगी। इसके साथ-साथ स्टेशनों पर विज्ञापन के माध्यम से आमदनी को बढ़ाया जाएगा।

बोर्ड बैठक के दौरान मेट्रो स्टेशनों के सौंदर्यीकरण के लिए चित्रकारी कराए जाने और वर्टिकल गार्डन विकसित करने का फैसला भी लिया गया। नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो सेवा इस साल अगस्त के आसपास शुरू होने की उम्मीद है। डिपो स्टेशन से सेक्टर-146 तक ट्रायल किया जा रहा है। शनिवार को एनएमआरसी के नव नियुक्त चेयरमैन एवं केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मनोज कुमार ने अधिकारियों के साथ सफर कर ट्रायल का निरीक्षण भी किया।

वर्टिकल गार्डन

दिल्ली के फॉर्मूले से होगी आय

यात्री किराये से ही मेट्रो का संचालन नहीं किया जा सकता। इसे ध्यान में रखते हुए एनएमआरसी ने दिल्ली मेट्रो का नेमिंग राइट बेचने का फॉर्मूला अपनाया है। इस प्रक्रिया के जरिये निजी संस्थानों, कंपनियों व अन्य से आवेदन मांगे जाएंगे। इसमें सफल होने वाले का नाम संबंधित मेट्रो स्टेशन के साथ जोड़ दिया जाएगा। को-ब्रांडिंग में सफर संस्था या कंपनी के साथ दस साल का एग्रीमेंट किया जाएगा। इसके साथ ही मेट्रो स्टेशनों व मेट्रो कोच में विज्ञापन से भी आय बढ़ाई जाएगी।

वर्टिकल गार्डन विकसित होंगे

नोएडा के पुराने मेट्रो कॉरिडोर की बिगड़ी सूरत से सबक लेते हुए एनएमआरसी ने ग्रेनो मेट्रो कॉरिडोर को हराभरा बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए मेट्रो के पिलरों के साथ वर्टिकल गार्डन विकसित किए जाएंगे। इस रूट पर 21 स्टेशन हैं। इस पूरे कॉरिडोर को ग्रीन कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की योजना है, ताकि प्रदूषण का स्तर भी कम किया जा सके।

हर स्टेशन की थीम अलग होगी

मेट्रो स्टेशनों को आकर्षक बनाने के लिए डीएमआरसी की मजेंटा लाइन की ग्रेनो मेट्रो के स्टेशनों को आर्ट वर्क से सजाया जाएगा। हर स्टेशन की थीम अलग होगी। ऐसा भी माना जा रहा है कि आर्ट वर्क के तहत स्टेशनों पर उत्तर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल, संस्कृति व सभ्यता को दिखाने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा नोएडा-ग्रेटर नोएडा की खूबियों को भी दर्शाया जाएगा।

बोर्ड बैठक के बाद बाहर आते एनएमआरसी के अधिकारी।

हर स्टेशन पर नहीं होगी पार्किंग

नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच सभी 21 स्टेशनों पर पार्किंग की सुविधा नहीं होगी। बोर्ड बैठक में प्रमुख स्टेशनों पर ही पार्किंग बनाने की सहमति बनी है। इस रूट पर करीब 65 हजार यात्रियों के सफर करने का अनुमान है। ऐसे में सभी स्टेशनों पर पार्किंग की सुविधा न मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

एनएमआरसी के नए बोर्ड का गठन

नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो के लिए केंद्र सरकार से 687.62 करोड़ रुपया अंशदान मिलने के बाद आयोजित पहली बोर्ड बैठक का आयोजन हुआ। इस दौरान केंद्र व राज्य सरकार की ओर से एनएमआरसी बोर्ड के सदस्यों के चयन पर मंजूरी की मुहर लगी। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मनोज कुमार बोर्ड के चेयरमैन होंगे। इसी मंत्रालय के सहायक सचिव मुकुंद सिन्हा, एनसीआरटीसी के एमडी विनय कुमार सिंह के अलावा दो अन्य सदस्यों को निदेशक बनाया गया है। इसी तरह प्रदेश सरकार के पांच सदस्यों को निदेशक बनाया गया है। जिनमें औद्योगिक विकास आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय, एमडी एनएमआरसी आलोक टंडन भी शामिल हैं।

फिर तय होंगे सिटी बसों के रूट

बोर्ड बैठक के दौरान एनएमआरसी की सिटी बस सेवा की समीक्षा भी हुई। फिलहाल यात्रियों की कमी से जूझ रही सिटी बस सेवा के रूट दोबारा तय किए जाने पर फैसला लिए जाने के संकेत दिए गए हैं। मेट्रो स्टेशनों की कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए रूट तय किए जाएंगे।

Read 04/6/18